रक्षाबंधन | बाजार में विकल्प कई, लेकिन भरोसा आज भी हाथों से बनी राखियों पर

रंग-बिरंगी हैंडमेड राखियों में अपनापन आज भी बरकरार

नवभारत , जबलपुर । रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आते ही शहर के बाजार रंग-बिरंगी राखियों से सज गए हैं। इस बार भी दुकानों पर मशीन मेड और हैंडमेड दोनों तरह की राखियां उपलब्ध हैं। व्यापारियों के अनुसार जबलपुर के बाजारों में राखियां दिल्ली, मुंबई, जयपुर, सूरत और राजस्थान के कई हस्तशिल्प केंद्रों से मंगाई गई हैं।

एक ओर आधुनिक मशीन मेड राखियां आकर्षक डिजाइनों के कारण ग्राहकों को लुभा रही हैं, वहीं दूसरी ओर हाथ से बनी हैंडमेड राखियां आज भी बड़ी संख्या में लोगों की पहली पसंद बनी हुई हैं। खास बात यह है कि कई परिवारों में आज भी बहनें अपने भाइयों के लिए ऐसी राखी चुनना पसंद करती हैं, जो केवल सुंदर ही नहीं बल्कि भावनाओं और अपनापन भी दर्शाए।

हैंडमेड राखियों की आज भी है मांग

'वोकल फॉर लोकल' की बढ़ती सोच के साथ हैंडमेड राखियों का बाजार भी मजबूत हो रहा है। इससे पारंपरिक हस्तशिल्प को नई पहचान मिल रही है। आधुनिक डिजाइनों की भीड़ के बावजूद हाथों से बनी राखियां अपने अपनापन और भावनात्मक जुड़ाव के कारण आज भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई हैं।

सिर्फ खूबसूरती नहीं, मजबूती भी खासियत

ग्राहकों ने बताया कि हैंडमेड राखियों की खासियत उनका टिकाऊपन (मजबूती) है। कई परिवारों में भाई रक्षाबंधन के बाद भी महीनों तक राखी अपनी कलाई पर बांधे रखते हैं। लोगों का कहना है कि हाथ से बनी राखियां मजबूत होती हैं और दो से तीन महीने तक आसानी से बंधी रहती हैं, जबकि मशीन मेड राखियां अक्सर कुछ ही दिनों में खराब हो जाती हैं या उनका धागा ढीला पड़ जाता है।

हैंडमेड राखियों का बढ़ता आकर्षण

बाजार में मौजूद कई दुकानदार बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में हैंडमेड और इको-फ्रेंडली राखियों की मांग लगातार बढ़ी है। इन राखियों को बनाने में कई दिन लगते हैं और हर डिज़ाइन अलग होता है। इसके विपरीत मशीन मेड राखियां बड़ी संख्या में कम समय में तैयार हो जाती हैं, लेकिन उनमें वह व्यक्तिगत स्पर्श नहीं होता जो हाथ से बनी राखियों में महसूस होता है।

इनका कहना है

हैंडमेड राखियों में अच्छी क्वालिटी की डोरी और मजबूत कुंडे का इस्तेमाल किया जाता है, इसलिए ये लंबे समय तक सुरक्षित रहती हैं। कई ग्राहक खासतौर पर ऐसी राखियां मांगते हैं जो जल्दी खराब न हों।

हैदर अली , राखी विक्रेता

बाजार में मशीन मेड और हैंडमेड दोनों तरह की राखियां उपलब्ध हैं। हैंडमेड राखियों में मजबूत डोरी, अच्छी क्वालिटी के कुंडे और बारीक कारीगरी का इस्तेमाल होता है, इसलिए ये ज्यादा टिकाऊ रहती हैं। ग्राहक भी अब सिर्फ डिज़ाइन नहीं, बल्कि क्वालिटी और मजबूती देखकर खरीदारी कर रहे हैं।

महेश केशरवानी , राखी विक्रेता

बाजार में मशीन मेड राखियों के बहुत सारे डिज़ाइन हैं, लेकिन मुझे हैंडमेड राखियां ज्यादा पसंद आती हैं। इनमें अलग तरह की कारीगरी होती है और हर राखी कुछ खास लगती है।

अनीता सोनी , ग्राहक

हमारे समय में ज्यादातर राखियां हाथ से बनाई जाती थीं। आज बाजार में मशीनों से बनी कई तरह की राखियां आ गई हैं, लेकिन हाथों से बनी राखी का अपनापन आज भी अलग ही लगता है।

हर्षिका सोनी , ग्राहक

तिरछे स्ट्रीट लाइट पोलों से हादसों को निमंत्रण

जबलपुर। जबलपुर-भोपाल हाईवे स्थित तेवर ब्रिज पर लगे स्ट्रीट लाइट के कई खंभे तिरछे होकर झुक गए हैं, जिससे यहां से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ब्रिज से प्रतिदिन भारी संख्या में कार, बस, ट्रक और अन्य वाहन गुजरते हैं, लेकिन क्षतिग्रस्त और झुके हुए विद्युत पोलों की ओर अब तक जिम्मेदार विभाग का ध्यान नहीं गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन खंभों की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है ।यदि इनमें से कोई स्ट्रीट लाइट का खंभा अचानक सड़क पर गिर जाता है, तो तेज रफ्तार वाहनों के कारण बड़ी दुर्घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता। खासकर रात के समय और बारिश के मौसम में यह खतरा और बढ़ जाता है।

वाहन चालकों का कहना है कि तिरछे पोल देखकर हर बार आशंका बनी रहती है कि कहीं यह अचानक गिर न जाए। इसके बावजूद अब तक न तो इनकी मरम्मत की गई है और न ही सुरक्षा की दृष्टि से कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

लगातार हो रही अनदेखी

स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मांग की है कि तेवर ब्रिज का तत्काल निरीक्षण कर झुके हुए स्ट्रीट लाइट पोलों को सीधा कराया जाए या आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलकर नए पोल लगाए जाएं। लोगों का कहना है कि किसी बड़ी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय समय रहते खतरे को दूर करना अधिक जरूरी है। जिम्मेदार अधिकारियों की लगातार अनदेखी के कारण यह समस्या बनी हुई है और अब हर गुजरते दिन के साथ हादसे की आशंका भी बढ़ती जा रही है।

बेलगाम हाइवा ने कोचिंग से लौट रहे दो भाइयों को कुचला

नवभारत, जबलपुर। गोसलपुर थाना अंतर्गत घुघरी तिराहा शांतिनगर जुझारी के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित हाइवा के चालक ने सायकल से कोचिंग पढ़कर घर लौट रहे दो सगे भाइयों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों भाई सायकल समेत सड़क किनारे दूर जा गिरे।

हादसे में बड़े भाई के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपी चालक हाइवा लेकर मौके से फरार हो गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम कछपुरा निवासी अजेस मिश्रा (42), पेशे से टेंट व्यवसायी हैं, उनका बड़ा बेटा कृष्णा मिश्रा (16) और छोटा बेटा देव मिश्रा (14) गोसलपुर से कोचिंग पढ़कर सायकल से वापस अपने घर लौट रहे थे। घटना के वक्त पीड़ित पिता अजेस मिश्रा अपने साथी कमल यादव के साथ कछपुरा पंचायत के पास ही टेंट का काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि घुघरी तिराहा के पास सामने से आ रहे हाइवा क्रमांक एमपी 20 जेड एफ 6701 के चालक ने लापरवाही और अंधाधुंध रफ्तार से गाड़ी चलाते हुए उनके बेटों को सायकल को सामने से टक्कर मार दी। चीख-पुकार सुनकर पिता और ग्रामीण तुरंत दौड़े, लेकिन तब तक आरोपी चालक हाइवा लेकर गोसलपुर की ओर भाग निकला।

इनको आईं चोंटे

इस सड़क हादसे में 16 वर्षीय कृष्णा मिश्रा के सिर, दाएं हाथ और दाहिने पैर में गंभीर चोटें आई हैं। उसकी नाजुक हालत को देखते हुए घबराए पिता ने तुरंत एक निजी वाहन का इंतजाम किया और उसे जबलपुर के निजी अस्पताल ले जाकर भर्ती कराय। वहीं, देव मिश्रा के दोनों घुटनों, कमर, हाथ और कंधे में चोटें आई हैं। पुलिस ने फरार हाइवा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

चोरी के फोन सहित शातिर चोर गिरफ्तार

जबलपुर। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत जीआरपी जबलपुर और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने चोरी के तीन मोबाइल फोन के साथ एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

शुक्रवार को स्टेशन चेकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 के कटनी छोर पर एक युवक द्वारा यात्रियों को चोरी के मोबाइल बेचने की सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम पंकज मेहरा उर्फ टीकू (23) निवासी

बरमानकला, जिला नरसिंहपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से बिना सिम के तीन चोरी के मोबाइल फोन, जिनमें दो रियलमी और एक वनप्लस कंपनी का मोबाइल शामिल है, बरामद किए गए। जब्त मोबाइलों की अनुमानित कीमत 62 हजार रुपये बताई गई है।

पूर्व में भी दर्ज है मामले

आरोपी मोबाइलों के संबंध में कोई वैध दस्तावेज या खरीद का बिल प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद जीआरपी ने उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर मोबाइल फोन जब्त कर लिए। ई-रक्षक ऐप से जांच में आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक प्रकरण दर्ज होना सामने आया है।

आरोपी को विधिसम्मत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत के नेतृत्व में जीआरपी के प्रधान आरक्षक परशुराम यादव, मनोज मिश्रा, अरुण तिवारी, रविकांत, सतेन्द्र सिंह तथा आरपीएफ पोस्ट जबलपुर के प्रधान आरक्षक जितेन्द्र तिवारी एवं आरक्षक हरिकेश दुबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक नजर में

सुप्तेश्वर गणेश मंदिर में गणेश पर्व की तैयारी बैठक आज

नवभारत, जबलपुर। रतन नगर स्थित श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर में श्री गणेश पर्व 2026 की तैयारी को लेकर एक वृहद बैठक आयोजित की गई है। समिति के पदाधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह बैठक दोपहर 12:00 बजे से आरंभ होकर 3:30 बजे तक आयोजित होगी। बैठक में मुख्य रूप से श्री गणेश पर्व पर होने वाले विभिन्न धार्मिक आयोजनों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा होगी, साथ ही उपस्थित भक्तों एवं सदस्यों के महत्वपूर्ण सुझावों पर विचार-विमर्श कर आगामी कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जाएगा। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी भक्तों एवं समिति सदस्यों से अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराने का विशेष आग्रह किया है।

शादी से इंकार पर सरेराह युवती पर चाकू से वार, सिरफिरे आशिक की धुनाई

नवभारत, जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अंतर्गत शिवालय परिसर में शादी से मना करने पर एक सनकी युवक ने ड्यूटी पर जा रही 27 वर्षीय युवती पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने युवती के सिर, चेहरे, गर्दन, हाथ और पीठ पर ताबड़तोड़ कई वार किए। चीख-पुकार सुनकर दौड़े लोगों ने आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया और उसकी जमकर धुनाई कर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ईसाई मोहल्ला गोरखपुर निवासी शुभम जांगड़े (30 वर्ष) की शादी की बात पीड़ित युवती से चल रही थी। इसी बीच युवती के परिवार वालों को पता चला कि शुभम उनके समाज का नहीं है, जिसके कारण परिजनों ने शादी की बात आगे बढ़ाने से साफ मना कर दिया। परिवार के फैसले का सम्मान करते हुए युवती ने भी शुभम से शादी करने से इनकार कर दिया था। इस बात को लेकर शुभम काफी समय से नाराज था और दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था सुबह करीब 8:30 बजे युवती अपनी ड्यूटी के लिए घर से निकली थी। वह जैसे ही शिवालय परिसर रोड पर पहुंची, शुभम अपनी मोटरसाइकिल से पीछे से आया और उसका रास्ता रोक लिया। शुभम ने कड़कड़ाते हुए पूछा, मुझसे शादी करने से क्यों मना कर रही हो जब युवती ने दोबारा कहा कि उसे शादी नहीं करनी है, तो शुभम आपा खो बैठा। उसने जान से मारने की नीयत से चाकू निकाला और युवती पर हमला कर दिया। युवती लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ी।

भीड़ ने सिखाया सबक, भागते वक्त खुद भी हुआ घायल- सरेराह हो रहे इस खूनी खेल को देख आसपास के लोग तुरंत युवती को बचाने दौड़े। भीड़ को अपनी तरफ आता देख आरोपी शुभम वहां से भागने लगा, लेकिन मौके पर मौजूद 2-3 लोगों ने उसे पकड़ लिया। गुस्से में आई भीड़ ने लात-मुक्कों से शुभम की जमकर पिटाई कर दी। लोगों के चंगुल से छूटकर शुभम अपनी मोटरसाइकिल से भागा, लेकिन मानेगांव के पास तेज रफ्तार के कारण उसकी गाड़ी स्लिप हो गई। सड़क पर गिरने से उसके हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोटें आईं। उधर, गंभीर रूप से घायल युवती को इलाज के लिए तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया।

वेद, गीता और योगसूत्र से समझाया स्वस्थ जीवन का विज्ञान

नवभारत ,जबलपुर। महाराष्ट्र व्यायाम शाला के 'मंथन अमृत महोत्सव' के दूसरे दिन आयोजित ज्ञानवर्धक सत्र में संस्था के सचिव अविनाश हलवे ने मन:शक्ति से स्वास्थ्य विषय पर प्रभावी व्याख्यान एवं प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। उन्होंने भारतीय ऋषि परंपरा, योग और आध्यात्मिक विज्ञान के माध्यम से मानसिक शक्ति के महत्व को सरल एवं प्रेरक ढंग से समझाया।

अविनाश हलवे ने कहा की वेद, श्रीमद्भगवद्गीता और पतंजलि योगसूत्र में मन की शक्ति को जीवन का सबसे बड़ा आधार माना गया है। उन्होंने बताया कि प्राचीन ऋषि-मुनियों ने तप, साधना और ध्यान के माध्यम से अपनी मानसिक क्षमता का विकास कर दीर्घायु एवं निरोग जीवन प्राप्त किया। आज आधुनिक विज्ञान भी इन्हीं सिद्धांतों को स्वीकार करते हुए तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन के लिए ध्यान एवं योग को प्रभावी उपाय मान रहा है।

व्याख्यान के अंत में उपस्थित लोगों को विशेष ध्यान का अभ्यास भी कराया गया, जिससे सभी ने मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया।

कार्यक्रम का समापन हनुमान जी की आरती एवं महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में योग साधक, संस्था के सदस्य एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मक्के के खेत में छिपाकर रखी थी अवैध शराब

नवभारत, जबलपुर। पाटन थाना अंतर्गत ग्राम बैजला में मक्के के एक खेत से पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। तस्कर ने मक्के की घनी फसल के बीचों-बीच शराब से भरे 6 कार्टून छिपाकर रखे थे। पुलिस ने 300 पाव देसी शराब जब्त कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पाटन थाना प्रभारी गोपिन्द्र सिंह ने बताया कि ग्राम सुंदरादेही निवासी नवल सिंह लोधी (33) ने ग्राम बैजला में रूद्र प्रताप सिंह ठाकुर की 9 एकड़ कृषि भूमि सिकमी पर ले रखी है, जिसमें वर्तमान में मक्के की फसल लगी हुई है। जब नवल सिंह रोज की तरह अपनी फसल देखने खेत पर गया, तो उसे वहां लावारिस हालत में 6 कार्टून दिखाई दिए। मामले की जानकारी तुरंत पाटन पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचा। जब पुलिस ने खेत के बीच रखे उन कार्टूनों को खोलकर चेक किया, तो उनके होश उड़ गए। कार्टूनों के अंदर कुल 300 पाव अवैध देसी शराब भरी हुई थी, जिसकी बाज़ार में अनुमानित कीमत लगभग 20 हजार रुपये आंकी गई है। खेत के आसपास छानबीन करने पर कोई भी संदिग्ध पुलिस के हाथ नहीं आया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

स्काउट्स एवं गाइड्स ने मनाया सेवा पर्व

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जबलपुर मंडल द्वारा विश्व स्कार्फ दिवस के अवसर पर स्काउट-गाइड स्कार्फ की गरिमा एवं महत्व को प्रदर्शित करते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्काउट्स एवं गाइड्स ने स्कार्फ धारण कर सेवा, अनुशासन, एकता, बंधुत्व एवं राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। स्कार्फ स्काउटिंग की पहचान के साथ-साथ विश्वभर के स्काउट्स एवं गाइड्स के बीच भाईचारे और एकता का प्रतीक है। कार्यक्रम में उपस्थित स्काउट्स एवं गाइड्स ने स्काउटिंग के मूल सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।

श्रावण मास में चार दुर्लभ शुभ योगों का अद्भुत संयोग

नवभारत, जबलपुर। भगवान शिव की आराधना का पावन पर्व श्रावण मास 28 अगस्त तक चलेगा, जिसमें इस वर्ष कुल 4 सोमवार पड़ रहे हैं। तिथियों के अनुसार पहला सावन सोमवार 3 अगस्त को सुकर्मा योग एवं सर्वार्थ सिद्धि योग के संयोग में आएगा, दूसरा सोमवार 10 अगस्त को सोम प्रदोष व्रत के दुर्लभ संयोग के साथ, तीसरा सोमवार 17 अगस्त को नाग पंचमी के विशेष संयोग के साथ और चौथा सोमवार 24 अगस्त को सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ पड़ेगा। शिव पुराण के अनुसार श्रावण मास में भगवान रुद्र की पूजा एवं रुद्राभिषेक करने से समस्त दोषों का नाश होता है और अकाल मृत्यु व ग्रह पीड़ा समाप्त होती है। इसके अंतर्गत सुख-समृद्धि, शत्रु विनाश, पुत्र प्राप्ति, दोषों की शांति के लिए विभिन्न सामग्रियों से शिवलिंग का रुद्राभिषेक करने का विशेष विधान है।

आक्रोश | स्टाफ की कमी से जूझ रहा नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल

मांगें पूरी न होने पर नर्सें करेंगी आंदोलन

नवभारत, जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर के विभिन्न अस्पतालों में बेड बढ़ने के अनुपात में पर्याप्त स्टाफ न मिलने से नाराज मेडिकल एंड हेल्थ नर्सिंग एसोसिएशन ने चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार मेडिकल अस्पताल, सुपरस्पेशिलिटी, स्टेट कैंसर अस्पताल और एसईपीएम में बेड की संख्या 1000 से बढ़ाकर 2266 कर दी गई है और इसी आधार पर एमबीबीएस की सीटें भी बढ़ी हैं, लेकिन नर्सिंग ऑफिसर के पद नियमानुसार नहीं बढ़ाए गए। स्टाफ की भारी कमी के चलते नर्सेज अत्यधिक कार्यभार झेलने को मजबूर हैं, जिसके निराकरण के लिए पूर्व में शासन स्तर पर कई बार पत्राचार किया गया पर अब तक

कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे आक्रोशित नर्सिंग संवर्ग ने अपनी लंबित मांगों जैसे शासन के पत्र दिनांक 21 अप्रैल 2026 के तहत स्वशासी कर्मचारियों के एम्प्लॉई कोड जारी करने, सातवें वेतनमान का लाभ चिकित्सा शिक्षकों की तरह 1 अप्रैल 2018 के स्थान पर 1 जनवरी 2016 से देकर 27 महीने का एरियर्स भुनाने, मध्य प्रदेश शासन के राजपत्र दिनांक 15 जनवरी 2026 एवं मध्य प्रदेश स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के परिपत्र दिनांक 11 सितंबर 1985 के अनुसार समस्त डिप्लोमा या डिग्रीधारी नर्सिंग ऑफिसर को क्रमश: तीन-चार वेतनवृद्धि का लाभ देने और 2011 में भर्ती हुए स्टाफ को समयमान वेतनमान के एरियर्स का भुगतान करने के पक्ष में मोर्चा खोल दिया है।

इस सिलसिले में नर्सेज 30 जुलाई से लगातार काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज करा रही हैं, जिसके बाद आगामी 4 अगस्त को दो घंटे के लिए शांतिपूर्ण ढंग से काम बंद रखा जाएगा। एसोसिएशन ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि अगले एक महीने के भीतर इन उचित मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो वे पूर्ण रूप से काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए विवश होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और स्थानीय प्रशासन की होगी।

साहित्य ही हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा का आधार है : डॉ . भलावी

नवभारत, जबलपुर। भारतीय साहित्य केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक चेतना, नैतिक मूल्यों तथा जीवन दर्शन का सशक्त संवाहक है। ये बातें मुख्य वक्ता पूर्व कुलगुरु डॉ. लीला भलावी ने कहीं। मौका था स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय जबलपुर द्वारा 'भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य का महत्व' विषय पर आयोजित व्याख्यान का। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. ए.सी. तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य की समृद्ध परंपरा, उसके दार्शनिक आयाम तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता से अवगत कराया गया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना जबलपुर संभाग के संभागीय समन्वयक प्रो. अरुण शुक्ल ने कहा कि भारतीय साहित्य ने सदैव मानवता, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य किया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नई शिक्षा नीति 2020 में भी भारतीय ज्ञान परंपरा को विशेष महत्व दिया गया है, जिससे विद्यार्थी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ते हुए वैश्विक दृष्टिकोण विकसित कर सकें। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे और सभी ने भारतीय साहित्य के दार्शनिक पक्षों को समझा।